ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 09-01-2026

हाथरस(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-09 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-10	2026-01-11	2026-01-12	2026-01-13	2026-01-14
वर्षा (मिमी)	2.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	15.0	16.0	15.0	16.0	16.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	9.0	7.0	6.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	93	93	96	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	63	59	56	58
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	8	9	11	6
पवन दिशा (डिग्री)	27	329	344	301	347
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	0	0	0	0
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; ओलावृष्टि; कोहरा	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले दिन हल्के बादल छाए रहने के कारण 10 जनवरी, 2026 को हल्की बारिश, गरज और बिजली चमकने,ओलावृष्टि और तेज़ हवाएं आदि की संभावना है; बाकी दिनों में आसमान साफ रहेगा, वातावरण में हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा और सुबह और रात के समय शीतलहर चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 15.0-16.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3°C कम रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 4.0-7.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 93-95 और 56-63% के बीच रहेगी। हवा की दिशा उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम से होगी और हवा की गति 6.0-11.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, जो सामान्य से 3-4 किमी/घंटा अधिक रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से मिले मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, गरज और बिजली के साथ हल्की बारिश, तेज़ हवाएं, ओलावृष्टि, कोहरा और शीतलहर के लिए चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि पाले से बचाव हेतु रबी की खड़ी फसलों हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों को ठण्ड/शीत लहर से बचाने के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई बार-बार करें, सुबह के समय खेत से पानी को निकाल दें और शाम के समय फिर से खेत में हल्की सिंचाई करें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। व्यक्तियों को गर्म कपड़े पहननें और जितना संभव हो सके घर के अन्दर रहने, ठण्डी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। रात्रि के समय घने कोहरे की स्थिति में अति आवश्यक कार्य की दशा में वाहन चलाये। वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें| घने कोहरे में वाहन चलाते समय सुरक्षित परिवहन हेतु सड़क पर बनी पट्टिकाओं का अनुसरण अवश्य करें|तथा रात के समय जूट के बोरे को पशुओं के ऊपर डाल दें और रात के समय जानवरों को खुले स्थान पर न बांधें।

लघु संदेश सलाहकार:

फसलों को पाला/शीत लहर से बचाने के लिए शाम को हल्की, बार-2 सिंचाई करें, सुबह खेत से पानी निकाल दें और शाम को फिर से खेत में हल्की सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहू की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा ऊसर भूमि में बुवाई के 28-30 दिन बाद (ताजमहल अवस्था) पर और दूसरी सिंचाई 40-45 दिन पर कल्ले निकलते समय हल्की सिंचाई अवश्य करे। गेहूं की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी ३३ ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	सरसों की फसल में दूसरी सिचाई बुवाई के 55-65 दिन पर फूल निकलने के पहले करें। वातावरण में लगातार बादल छाए रहने से सरसों की फसल में माहूँ कीट की सम्भावना बढ़ जाती है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरिफॉस 20% ई.सी. की 1.0 लीटर/हे० अथवा मोनोक्रोटोफॉस 36% एस.एल. की 500 मिली०/हे० की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।सफेद गेरूई एवं तुलासिता रोग के नियंत्रण हेतु मेटालेक्ज़ल 4 प्रतिशत मेंकोजेब 64 प्रतिशत डब्लू.पी. की 2.5 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 1000 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में फूल निकलते समय हल्की सिंचाई अवश्य करें तथा नमी की अधिकता कारण पत्तियों , तनों और फलियों पर सफेद चूर्ण की तरह फैले हुए बुकनी रोग की रोकथाम हेतु घूलन शील गंधक 80 % 2 किलोग्राम अथवा ट्राईडेमॉर्फ 80% ई.सी. 50 मिलीलीटर /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मटर की फसल में फली छेदक/फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु, फूल एवं फलियां बनते समय 5 फरोमोन ट्रैप और 2 प्रकार प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में लगायें तथा नीम के बीज आर्क (5 प्रतिशत) प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।
चना	समय से बोई गई चने की फसल यदि 15-20 सेंटीमीटर की हो गई हो तो फसल की खुटाई करें। चने की फसल में पहली सिंचाई फूल आने से पूर्व करें तथा फूल आते समय सिंचाई का कार्य न करें। चने के खेत में यदि कटुआ कीट दिखाई दे रहे हों तो स्थान-स्थान पर बर्ड पर्चर लगायें तथा थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई स्थानों पर घास-फूस रखें। प्रातःकाल घास-फूस में छिपे हुए कटुआ कीटों को इकट्ठा कर समाप्त करें तथा रासायनिक उपचार हेतु क्लोरपाईरीफास 20 प्रतिशत ई.सी. की 2.5 लीटर मात्रा प्रति हे० की दर से 500 से 600 पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	वातावरण में नमी बढ़ने/बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, अतः इसके रोकथाम हेतु मैन्कोजैब/प्रोपीनेब/कार्बेंडाजिम युक्त फफूंदनाशी 2.0-2.5 किग्रा0 दवा 1000 ली0 पानी मे घोलकर प्रति हेक्टर छिड़काव करें। जिन खेतो में बीमारी का प्रकोप हो चुका है, उनमें किसी भी फफूंदनाशक-साईमोक्सेनिल 8 प्रतिशत मैन्कोजेब 64 प्रतिशत डब्लू.पी. का 2-2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी मे घोलकर 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें। आलू की फसल में सिचाई का कार्य 12 - 15 दिन के अन्तराल पर आवश्कतानुसार करे।
प्याज	समय से बोई गई सब्जियों की आवश्यकतानुसार निराई व सिचाई का कार्य करें। टमाटर की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करे। सब्जिओ की फसलों में

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली0/लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करे। प्याज की नर्सरी में डैम्पिंग आफ (आर्द्र गलन) रोग दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु थाइरम 2.5 ग्राम या मैकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। प्याज की संस्तुति प्रजातियॉ- कल्याणपुर लाल गोल, पूसा रतनार, एग्रीफॉउण्ड लाइट रेड , एक्स केलीवर, बरगण्डी, के पी, ओरिएन्ट , रोजी आदि में से किसी एक प्रजाति की नर्सरी डालें तथा तैयार पौध की रोपाई करे।
आम	छोटे पौधों को कोहरे से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करें व उन्हें जुट के बोरे या टटर से ढक कर रखें। आम के बौर को झुलसा रोग के प्रकोप से बचाने हेतु मेन्कोजेब + कार्बेन्डाजिम के 0.2 प्रतिशत घोल (2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी) या ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25 % + टेबूकोनाजोल 50% के घोल (0.25 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें। आम पौधों में अच्छी बौर प्राप्त करने हेतु एन.पी.के. मिश्रण 5 कि.ग्रा. प्रति 2000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें, यह 50 पेड़ों के लिये पर्याप्त है। आम के पौधों में पुष्प एवं पुष्प गुच्छ मिज कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु डायमेथोएट (30 प्रतिशत सक्रिय तत्व) 2.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	मौसम में बदलाव की संभावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओ को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओ के घाव को पोटैशियम परमैगनेट से धोए। गर्भवती भैसों /गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों /गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में 2 -3 बार अवश्य पिलायें। कृषकों/पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को दिन में 15 से 16 घंटे प्रकाश उपलब्ध कराये। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से मिले मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह और रात के समय मध्यम से घने कोहरे, शीतलहर और ठंडे दिन के लिए चेतावनी जारी की गई है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

Farmers are advised to provide light irrigation to standing Rabi crops to maintain adequate moisture and protect them from frost. For crops like mustard, chickpeas, kidney beans, and peas, spray a solution of 0.1% sulfuric acid (1 liter in 1000 liters of water) to protect them from the cold wave.

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details